

अे अ आ इ ई उ ऊ ऋ लृ ए ऐ ए
ऐ औ ओ ओ औ क ख ग घ ङ च
छ ज झ ञ ट ठ ड ढ ण त थ द ध
न ण प फ ब भ म य र ल ळ ऴ
व श ष स ह ा ाँ ाँ ाँ ाँ ाँ ाँ
क ख ग ज ङ ड ढ फ य ऋ लृ
अँ अँ आँ औँ अँ अँ
। ॥ ० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ ०
० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ ०
ABCDEF GHIJ KLMNOP
PQRSTU VWXYZ
abcdefghijklmnop
qrstuvwxyz

10/13 pt जब्त केड कन सनील वल्मीक अतुदनी आलम आ माइक्रोफिल्म
तअल्लुकेदारी छा नवेधु आजनि प्रत्ययकारी ओटने दुलहनि सुडौल प्रसृतनाइस्टगैल
सीध झकार एवम नकिष्टतर वदियाडम्बरी बन नयितकालकि कप अप्रभावशाली
कषुद्राशयता जुआठा सुरसुराहट कर्णशोध द्वारे ई खरा बरबस मुत्रेद्रयि परेश नरिपेक्षता
रैबीज तोमा गरि खाकी अनेकमूर्ति खोद मकतब दरअसल खजल पछिलगगूपन मौजूदा सरि
ठोली ईद शवलेपन ओसाना दलप अलस रेटी फैशनहीन धधक बजनि नृपति प्रसृत गाजयिक
पतिमही पूजयति द क मदरिल सह मल्लिनाथ बैठकखाना आरम्स यजत मम डैसक ष
इनसानयित मधौना वाचाहीन द आश्चर्य अग्रसर आप अनी अहसान भागाधकारी सहठ
शुष्कीकरण अनुग्रहपूर्वक झरझराना राज्यपाल दीप्तवान जादी जग हो जैन श्लेषमा
दध चपिकाने तल्लिस्म वैर गृहस्वामिनी क्षेप अनुगन्तव्य लोकल युद्धन वपित्तकालीन
नारायणीय भडकाना बारात ओसर आदलि घरदा खडका धात्रीपुत्र न्यूनारक जनमान्य
भ्रामकतावश शम दुबाकर मुबाहसि क न बाग वसिर लेय थी ज वस्तिर्णता घुटा धापना
बडबडाहट षट् क्षेपणिलिडै कोशकारति थोडे ऐम वर्णनी क्षमताहीन बहली छलपूर्ण
आबचक मस्त सहा तेजाब रक्तता बेच आचरण मढा नच अपक्षोद्भूत धष्टभाषी डब
दगाबाज ज्वालामुखी तरन परोस गेजबो पीठी सलाक तबलीग कण पथ प अन्तर्नयिम शा
तरकस वस्त्रोपहार लप पी आह जीववज्जानी अप्रवष्टि गोलीकाण्ड आये शहद अकूत
अवासी बारहबानी

14/17pt जब्त केड कन सनील वल्मीक अतुदनी आलम आ
माइक्रोफिल्म तअल्लुकेदारी छा नवेधु आजनि प्रत्ययकारी
ओटने दुलहनि सुडौल प्रसृतनाइस्टगैल सीध झकार एवम
नकिष्टतर वदियाडम्बरी बन नयितकालकि कप अप्रभावशाली
कषुद्राशयता जुआठा सुरसुराहट कर्णशोध द्वारे ई खरा बरबस
मुत्रेद्रयि परेश नरिपेक्षता रैबीज तोमा गरि खाकी अनेकमूर्ति
खोद मकतब दरअसल खजल पछिलगगूपन मौजूदा सरि ठोली ईद
शवलेपन ओसाना दलप अलस रेटी फैशनहीन धधक बजनि नृपति
प्रसृत गाजयिक पतिमही पूजयति द क मदरिल सह मल्लिनाथ
बैठकखाना आरम्स यजत मम डैसक ष इनसानयित मधौना
वाचाहीन द आश्चर्य अग्रसर आप अनी अहसान भागाधकारी
सहठ शुष्कीकरण अनुग्रहपूर्वक झरझराना राज्यपाल
दीप्तवान जादी जग हो जैन श्लेषमा दध चपिकाने तल्लिस्म वैर
गृहस्वामिनी क्षेप अनुगन्तव्य लोकल युद्धन वपित्तकालीन